epaper
हिन्दुस्तान

सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का मौका

11/03/2022

• **सौरभ शुक्ल**

नई दिल्ली। लंबे समय से दुनियाभर में चल रही सेमीकंडक्टर की किल्लत अब रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध से और गहरा गई है।

जानकारी के मुताबिक, इन दो देशों में सेमीकंडक्टर में इस्तेमाल होने वाला अहम हिस्सा बनता है जो युद्ध की वजह से बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। आशंका है कि आने वाले एक से दो साल इसके लिए चुनौतीपूर्ण रहने वाले हैं। हालांकि, कारोबारी और जानकार इसे भारत के लिहाज से आपदा में अवसर भी मान रहे हैं।

सेमीकंडक्टर के लिए पीएलआई : केंद्र सरकार ने पिछले साल ही देश में सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए 76,000 करोड़ रुपये की पीएलआई योजना शुरू की है। इसका लक्ष्य इस क्षेत्र में विश्व स्तर पर अग्रणी निर्माताओं में से एक बनाना है।

चुनौतियों से निपटना जरूरी : इक्रा की सेमीकंडक्टर पीएलआई पर जारी रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि ये सब व्यापक तौर पर तभी संभव हो सकेगा जब इन नीतियों को लागू करने में होने वाली देरी की चुनौतियों से निपटा जा सके।